452 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 38 | नवम् अंक | अप्रैल 2016

इस अंक में...

12 विरासत हस्तान्तरित करने के पाँच सूत्र
14 राष्ट्रीय घटनाक्रम
20 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
25 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
32 आर्थिक समीक्षा 2015-16 : अर्थव्यवस्था की स्थिति व चुनौतियों का लेखा-जोखा
36 केन्द्रीय बजट 2016-17
42 रेल बजट 2016-17 : किराए-भाड़ों में कोई वृद्धि नहीं
44 नवीनतम सामान्य ज्ञान
49 रोजगार समाचार
51 खेलकूद
54 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी—नवीन लेखा-जोखा
60 कैरियर लेख—सिविल सेवा परीक्षा 2016 : एक कारगर रणनीति
62 सिविल सेवा परीक्षा, 2015– व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) : एक मार्गदर्शन
64 फोकस—व्यवसाय एवं प्रबन्धन में महिलाएं
67 स्मरणीय तथ्य
70 विश्व परिदृश्य
76 युवा प्रतिभाएं
83 आधुनिक भारत—एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों का सारांश एक नए प्रारूप में (कक्षा 6 से लेकर 12 तक)
88 आर्थिक लेख—भारत का बीमा उद्योग
90 पर्यावरण लेख—जलवायु परिवर्तन पर कार्ययोजना
93 संवैधानिक लेख—'भारतीय संविधान सभा'
95 सर्वसुलभ बैंकिंग—प्रधानमंत्री जन-धन योजना की अवधारणा, उद्देश्य एवं लाभ
97 वैज्ञानिक लेख—इंडियन रीजनल नेविगेशनल सैटेलाइट सिस्टम-भारतीय जीपीएस
98 नारी-जगत्—आधी दुनिया का पूरा सच ?
102 कैरियर लेख—एस.एस.बी. : सशस्त्र सेना के तीनों अंगों के लिए क्या ? क्यों ? और कैसे ?
108 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक लेख—तीसरा भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन
113 द्विपक्षीय सम्बन्ध—नए सन्दर्भ में भारत-रूस सम्बन्ध
115 प्रौद्योगिकी लेख—प्रोजेक्ट लून : गुब्बारे (बैलून) से इंटरनेट कनेक्टिविटी
116 कृषि लेख—जैविक खेती : कृषि क्षेत्र में आज की जरूरत
118 सार संग्रह
122 वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन— (i) उत्तर प्रदेश सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन) प्रारम्भिक परीक्षा, 2015
132 (ii) एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (चरण-I) परीक्षा, 2015
135 (iii) आई.बी.पी.एस. पी.ओ./एम.टी. (मुख्य) परीक्षा, 2015
137 (iv) छत्तीसगढ़ छात्रावास अधीक्षक श्रेणी 'डी' भर्ती परीक्षा, 2014
147 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
149 ऐच्छिक विषय—(i) इतिहास—यू.जी.सी.-नेट/ जे.आर.एफ. परीक्षा, 2015
153 (ii) कृषि—आगामी विभिन्न विश्वविद्यालय की बी.एस-सी. प्रवेश परीक्षाओं के लिए विशेष प्रश्नोत्तरी एवं स्मरणीय तथ्य
155 वार्षिक रिपोर्ट 2014-15—गृह मामलों से सम्बन्धित प्रबन्धन, जागरूकता, मानवाधिकार एवं अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग—पर्यावलोकन
157 सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (चरण-I) परीक्षा, 2015
161 संख्यात्मक योग्यता—ओरिएण्टल इंश्योरेन्स कम्पनी लि. स्पेशलिस्ट ऑफीसर्स (फाइनेंस) परीक्षा, 2015
166 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—लोकतांत्रिक प्रणाली में जाति और राजनीति
169 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-441 का परिणाम
170 राज्य समाचार

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

विरासत हस्तान्तरित करने के पाँच सूत्र

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

"It is not the honours that you take with you; But the heritage you leave behind."

— Branch Rickey

हमने विरासत में क्या कुछ नहीं पाया— नाम, वंशावली, गोत्र, जाति, संप्रदाय, देश-वेश, रिश्ते-नाते, जमीन-जायदाद, सभ्यता-संस्कृति, धर्म व आध्यात्मिक मूल्य-युक्त शिक्षाएँ.

सवाल यह है कि क्या हम अपनी धरोहर को आगे हस्तान्तरित कर पा रहे हैं ? कहीं ऐसा तो नहीं कि जिन पिता-पितामह ने समाज की रचना की, धर्म स्थान, मंदिर गुरुद्वारा इत्यादि बनाए, लोक कल्याणकारी केन्द्र बनाए— हमारी वर्तमान व आगामी पीढ़ी उन सबसे दूर-दूर रह रही है. उसे मानो ये सब चीजें बकवास लगती है. समय एवं धन की बर्बादी लगती है. विरासत में प्राप्त रिवाजों को वह दकियानूसी समझती है. इस ज्वलंत प्रश्न को लेकर समाज की बुर्जुग पीढ़ी चिंतित नज़र आती है. प्रायः लोग कह भी देते हैं कि हम हैं तब तक ये संस्थाएँ हैं, धार्मिक व सामाजिक रीति-रिवाज हैं. हमारे जाने के बाद किसी को फुर्सत ही नहीं होगी. फिर इन रिवाजों व संस्कारों का क्या हश्र होगा कौन जानें ? या कौन इस ओर झांकेगा भी.

इस समस्या को लेकर कुछ एक बिंदुओं पर हम विमर्श करें ताकि प्रौढ़ वर्ग कुछ उपाय दृष्टि अपना सकें. सांस्कृतिक धरोहर को हस्तांतरित करने के लिए प्रभावी उपायों के रूप में सबसे पहला उपाय है—

(1) **अपने पुरातन रिवाजों के औचित्य को बताने की क्षमता रखना**—यदि आप विरासत से प्राप्त सेवा, दान, धर्मकर्म के संस्कारों को भावी पीढ़ी में हस्तांतरित करना चाहते हों तो उन्हें कभी थोपो नहीं. उनका आग्रह न करो. हो सके तो स्वयं उनका औचित्य प्राप्त करो व उसे आगे रखो. अगर आपने उन रिवाजों को अपनाकर कुछ अच्छा अनुभव पाया हो तो उसे अवश्य साझा करो किन्तु कदाचित बुरा अनुभव पाया हो तो उसे सुधारकर प्रस्तुत करो जैसे कि आपके द्वारा दिए गए दान का किसी ने गलत इस्तेमाल किया तो आप इसे आगे शेयर करते समय कहो कि दान देना गलत नहीं है किन्तु सही तरीके से दिया जाना जरूरी है जरूरतमंद को दिया जाए, मानव सेवा के लिए दिया जाए, शिक्षा व स्वास्थ्य की वृद्धि के लिए दान, सहयोग हो. यह तो एक उदाहरण है, हकीकत में ऐसे अनेक मुद्दों पर बात करते समय हृदय का विश्वास, प्रेम व सकारात्मकता आगे हस्तांतरित होती जाएगी.

●●●